दिल्ली, एन.सी.आर. व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लोकप्रिय मासिक

# उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

Regd.No.-UPHIN/2004/15489 www.udyogviharnp.com प्रधान सम्पादक : सत्येन्द्र सिंह

सुशांत सिंह राजपूत के साथ नजर आएंगी संजना सांघी P-8

वर्ष : 01 अंक : 02 गाजियाबाद, मार्च, 2018 मूल्य : 4 रूपया पृष्ठ : 08 E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

# कला एवं साहित्य के उदीयमान भारत के दिग्गजों को उत्थान नटराज सम्मान

**गाजियाबाद।** उत्थान समिति ने कला एवं साहित्य के क्षेत्र में उदीयमान कलाकारों, साहित्यकारों एवं समाज के लिए मिशाल पेश करने के लिए दिग्गजों को उत्थान नटराज सम्मान से सम्मानित किया. जिन्होंने समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाते हुए समाज को सही दिशा देने का कार्य किया तथा समाज के उत्थान एवं समाज कल्याण के लिए अग्रणी रहे.

त्रिवेणी कला संगम नयी दिल्ली में देश के कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम में उत्थान समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सफल बनाया. प्रख्यात लोक गीत गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थी और उन्होंने ही सभी विजेताओं को अपने कर कमलों से उत्थान नटराज सम्मान से सम्मानित किया. सुधा रघुरमण को इन्डियन क्लासिकल वोकल, गौरव मजूमदार को इन्डियन क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल म्यूजिक, विधा लाल एवं अभिमन्यु लाल को इन्डियन क्लासिकल डांस, सरित दास को इन्डियन क्लासिकल परक्योसन, विम्मी इंद्रा को फाईन आर्ट्स, रश्मि अग्रवाल को गजल एवं लोक संगीत, रिचा अनिरुद्ध को समाजसेवा, आलोक श्रीवास्तव को साहित्य, शिल्पी मारवाह को थियेटर, तथा डॉ. सत्यमूर्थी को शिक्षा के क्षेत्र में इनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्थान नटराज सम्मान से सम्मानित किया गया.

इस अवसर पर उत्थान समिति के चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह ने कहा की हम सभी सम्मानित कलाकारों एवं साहित्यकारों का इस अवसर पर शुक्रिया अदा करते हैं. जिन्होंने इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई तथा हमारे अभियान सांस्कृतिक धनी, स्वच्छ, हरित एवं एजुकेटेड भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान अपनी उपस्थिति से दिया है. इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ललित ठुकराल ने कार्यक्रम का उद्घाटन सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि देकर किया. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक कृष्ण वीर सिंह सिरोही उपस्थित थे. कार्यक्रम में सुष्मिता घोष ने कत्थक की शानदार प्रस्तुति के माध्यम से लोक नृत्य प्रस्तुत किया तथा सबरंग ग्रुप ने गिध्धा, कलबेलिया एवं घूमर नृत्य की शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया.

पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने कहा की आज के सभी सम्मानित लोग जिनको उत्थान नटराज सम्मान से सम्मानित किया गया है वे अपने अपने क्षेत्र में अत्यंत ही उत्कृष्ट एवं अचछा कार्य कर रहे है और ये लोग वास्तव में इस सम्मान के अधिकारी हैं. उत्थान नटराज सम्मान निश्चित ही कला एवं साहित्य के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों का मनोबल बढ़ाएगा एवं उत्साहवर्धन करेगा.

# उद्योग विहार

निष्पक्ष गारिक सगाचार पत्र

श्रम—जगत

02 P.

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गाजियाबाद, मार्च, 2018


# ईपीएस में न्यूनतम पेंशन दोगुनी करने का विचार

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार जल्द ही कर्मचारी पेंशन योजना (इपीएस) के तहत मिलने वाली न्यूनतम राशि को दोगुना कर 2000 रुपए करने पर विचार कर रही है। इपीएफओ के तहत आने वाले 40 लाख ईपीएस उपभोक्ता इससे लाभान्वित होंगे। इससे सरकारी खजाने पर सालाना 3000 करोड़ रुपए का बोझ बढ़ेगा। उम्मीद है कि सरकार 2019 में चुनाव से पहले इस पर संज्ञान लें। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार पेंशन दोगुनी करने की योजना बना रही है। 2014 में केंद्रीय कैबिनेट ने एक साल के लिए 1,000 रुपए मासिक न्यूनतम पेंशन के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और 2015 में इसे जीवनपर्यंत कर दिया गया।

- 40,00,00 इपीएस उपभोक्ता होंगे लाभान्वित
- 3,000 करोड़ का खजाने पर बढ़ेगा बोझ

## योजना पर मंथन

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन इस योजना के वित्तीय पहलुओं पर गौर कर रहा है। श्रम मंत्रालय ने संगठन से इस योजना के लाभार्थियों की संख्या पूछी है जो ईपीएस, 1995 के तहत 1000 रु. न्यूनतम पेंशन पा रहे हैं।

## पेंशन कम थी, इसलिए बनी योजना

ट्रेड यूनियन व अखिल भारतीय इपीएस-95 पेंशनर संघर्ष समिति ने सरकार से मासिक पेंशन बढ़ाकर 3,000 से 7,500 रुपए करने को कहा है। एक संसदीय समिति ने सरकार से ईपीएस स्कीम की समीक्षा करने को कहा था। साथ ही 1,000 रुपए न्यूनतम पेंशन को बढ़ाने की भी सिफारिश की थी। समिति का कहना है कि 1000 रुपए पेंशन कम है।

## जमापूंजी पर डाक- द्वारका ऑफिस में आउटसोर्स कंपनी के कर्मचारियें ने किया करोड़ों का फर्जीवाड़ा

# ईपीएफओ में घोटाला, निकाले 4 करोड़ रुपए

**नई दिल्ली।** एंप्लॉई प्रॉविडेट फंड ऑर्गनाईजेशन (EPFO) में बड़ा घोटाला सामने आया है। ईपीएफओ के द्वारका स्थित ऑफिस में ईपीएफओ ने जिस कंपनी को डेटा एंट्री जैसे काम करने का ठेका दिया है, उसी के कुछ कर्मचारियों पर आरोप है। शुरुआती जांच में करीब 4 करोड़ रुपये निकाल लिए जाने की सूचना है। यह पैसा देशभर में प्राइवेट सेक्टर में जॉब करने वाले हजारों कर्मचारियों का है।

इस मामले में द्वारका सेक्टर-23 थाने में ईपीएफओ की ओर से सोमवार रात शिकायत दर्ज की गई थी, जिस पर एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने मामला दर्ज करके ईपीएफओ ऑफिस के एक कर्मचारियों को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ कर पता लगाया जा रहा है कि घोटाला कितना बड़ा है और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। फर्जीवाड़े की जानकारी वित्तवर्ष खत्म होने के सिलसिले में ईपीएफओ के अकाउंट्स के मिलान के दौरान हुई। देखा गया कि ऑनलाइन कैश ट्रांजेक्शन की रकम खातों में जमा रकम से मेल नहीं खा रही थी। कुछ ट्रांजेक्शन ऐसे आउंटस में पाए गए, जिनकी जानकारी ईपीएफओ के सीनियर ऑफिसर्स को भी नहीं है। पहले ईपीएफओ की ओर से ही इस मामले की इंटरनल जांच कराई गई थी।

## फर्जी नाम से खुलाए खातों में भेज दी रकम

ईपीएफओ के इस ऑफिस में दिल्ली एनसीआर समेत पूरे देश के ऑनलाइन आकउंट हैंडल किए जाते हैं। ऑनलाइन ट्रांजेक्शन का काम ईपीएफओ ने आउटसोर्स कर रखा है। विभिन्न अकाउंटों की डेटा एंट्री करने समेत अन्य ऑनलाइन काम जिस कंपनी को दिए गए, उसी के कुछ कर्मचारियों ने फर्जीवाड़ा करके करीब 10 फर्जी नामों और एड्रेस पर बैंक अकाउंट खुलवा लिए। इन्हीं में ईपीएफओ के करोड़ों रुपये ट्रांसफर किए गए। माना जा रहा है कि घोटाले की रकम काफी ज्यादा हो सकती है।

## एक्सप्रेस वे पर हर समय रहेगा ट्रैफिक का लाइव अपडेट

-उद्योग विहार संवाददाता-

**गाजियाबाद।** दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे देश का सबसे चौड़ा एक्सप्रेस वे बन रहा है। दिल्ली से यूपी गेट तक प्रथम चरण का काम लगभग पूरा होने के बाद दूसरे फेज के लिए यूपी गेट से डासना के बीच निर्माण कार्य तेज हो गया है। यूपी गेट से डासना के बीच करीब 20 किलोमीटर लंबे 14 लेन के एक्सप्रेस वे के निर्माण में 1989 करोड़ की लागत आ रही है। एक्सप्रेस वे को अत्याधुनिक तकनीक से लैस बनाया जा रहा है। एक्सप्रेस वे पर च्हडन कट कैनाल व हरनंदी नदी के ऊपर छह छह लेन का पुल बनाया जाना प्रस्तावित है।

इस एक्सप्रेस वे पर 120 किलोमीटर की स्पीड में वाहन रफ्तार भर सकेंगे। ट्रैफिक के लाइव अपडेट के लिए एक्सप्रेस वे पर वीडियो कैमरे लगवाए जाएंगे। कैमरे से हर समय एक्सप्रेस वे पर ट्रैफिक पर नजर रखी जाएगी। कंट्रोल रूम से नजर रखी जाएगी। तत्काल राहत व चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए हर पांच सौ मीटर पर एंबुलेंस व क्रेन मौजूद रहेगी। इसके अलावा प्रत्येक पांच किलोमीटर पर वैरियेबुल मैसेज साइन बोर्ड लगाया जाएगा। वीएमएस आगे के रास्ते के बारे में जानकारी देगा कि आगे रास्ता क्लियर है कि नहीं। एनएचएआई की ओर से डाक्टरों की टीम एक्सप्रेस वे पर मौजूद रहेगी। दुर्घटना होने पर वाहन चालक को तत्काल चिकित्सा मुहैया कराई जाएगी।

एक्सप्रेस वे के चौड़ीकरण के लिए जमीन का चिन्हांकन कर मिट्टी से भराव का काम प्रगति पर है। बीच-बीच में कंट्रोल रूम के निर्माण के लिए स्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है।

एक्सप्रेस वे की राह में आने वाले 32 स्थलों को हटाने का काम कर लिया गया है। दिन रात काम चल रहा है। देश का सबसे चौड़ा एक्सप्रेस वे बनाया जा रहा है। चार फेज में निर्माण कराया जा रहा है। दिल्ली के निजामुद्दीन सराय कालेखां से लेकर हापुड़ व मेरठ तक करीब 82 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस वे बनाया जा रहा है। दूसरे चरण में यूपी गेट से लेकर डासना के बीच निर्माण कार्य प्रगति पर है अगले साल तक इसे पूरा कर लेने के लक्ष्य के साथ काम किया जा रहा है।

# प्राइवेट सैक्टर के कर्मचारियों को 20 लाख रुपए तक मिलेगी टैक्स फ्री ग्रैच्यूटी, लोकसभा में प्रस्ताव मंजूर

-विशेष संवाददाता-

**नई दिल्ली।** मोदीनगर सरकार द्वारा प्रस्तावित पेमेंट ऑफ ग्रैच्यूटी अमेंडमेंट बिल 2017 को लोकसभा ने अपनी मंजूदी दे दी। इसमें प्राइवेट सेक्टर और सरकार के अधीन सार्वजनिक उपक्रम या स्वायत्त संगठनों के कर्मचारियों को ग्रैच्यूटी की अधिकतम सीमा में वृद्धि होगी, जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों के अनुसार सीसीएस (पेंशन) नियमावली के अधीन शामिल नहीं हैं। आंध्रप्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग और पीएनबी धोखाधड़ी मामले समेत अन्य मुद्दों पर विभिन्न दलों के भारी हंगामे के बीच सदन ने इस विधेयक को ध्वनि मत से मंजूरी प्रदान कर दी। इसके तहत केंद्र सरकार में निरंतर सेवा में शामिल महिला कर्मचारियों को वर्तमान 12 सप्ताह के स्थान पर 'मैटरनिटी लीव की अवधि' (26 सप्ताह) को अधिसूचित करने का प्रावधान किया गया है।

लोकसभा में श्रम मंत्री संतोष कुमार गंगवार ने पेमेंट ऑफ ग्रैच्यूटी अमेंडमेंट बिल 2017 को पारित करने के लिए पेश किया।

गौरतलब है कि अभी 10 या इससे अधिक लोगों को नियोजित करने वाले निकायों के लिए पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी बिल 1972 लागू है, जिसके तहत कारखानों, खानों, तेल क्षेत्रों, बागानों, पत्तनों, रेल कंपनियों, दुकानों या अन्य प्रतिष्ठानों में लगे कर्मचारी शामिल हैं जिन्होंने 5 वर्ष की नियमित सेवा प्रदान की है। अधिनियम की धारा 4 के अधीन ग्रैच्यूटी की अधिकतम सीमा वर्ष 2010 में 10 लाख रुपये रखी गई थी।

सातवें वेतन आयोग के कार्यान्वयन के बाद केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए ग्रैच्यूटी की अधिकतम सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया था।

उद्योग विहार
निष्पक्ष गारिक रागाचार पत्र
दिल्ली-एनसीआर
03
E-mail : udyogviharnp@yahoo.com
गाजियाबाद, मार्च, 2018
P.

# 'पेंटिंग ऑन कॉटन बैग' प्रतियोगिता के विजेताओं को उत्थान समिति ने किया पुरस्कृत

-उद्योग विहार संवाददाता-

**गाजियाबाद।** उत्थान समिति द्वारा क्लीन, ग्रीन हेल्दी एवं एजुकेटेड इण्डिया अभियान के तहत विभिन्न स्कूलों में करवायी गयी 'पेंटिंग ऑन कॉटन बैग' प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम उत्थान समिति द्वारा घोषित कर दिए गए। जिसमें एक प्रथम स्थान-छबीलदास पब्लिक स्कूल की खुशी बाघेश्वर को, दो द्वितीय स्थान-उत्तम स्कूल फॉर गर्ल्स की कृतिका कुशवाहा को एवं डी डी पी एस गोविंदपुरम की माही शेरोन को, तीन तृतीय स्थान-नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज की महक को, सुशीला मॉडल स्कूल के पवन कश्यप को, सरस्वती विद्या मन्दिर की साक्षी को, दो सांत्वना पुरस्कार-अवार्चीन भारतीय पब्लिक स्कूल के सागर को तथा चौधरी छबीलदास पब्लिक स्कूल की अक्षरा अग्रवाल को, ओपन केटेगरी में युग वीरवाल-सेंट मेरी कान्वेंट स्कूल तथा प्रिय माथुर को दिए गए।

- उत्थान समिति द्वारा तमाम अच्छे कार्य किये जा रहे है जिसमे पर्यावरण की रक्षा के लिए लोगों को जागरूक करना प्रमुख है: कृष्ण वीर सिंह सिरोही

प्रथम पुरस्कार में सात हजार रुपए नगद, द्वितीय पुरस्कार में तीन हजार पांच सौ, तृतीय पुरस्कार में दो हजार तथा सांत्वना एवं ओपन केटेगरी वालों को एक हजार नगद के अलावा सर्टिफिकेट एवं ट्रॉफी प्रदान की गयी। इसके अलावा इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को भी पुरस्कार दिए गए जिसमे प्रथम डी डी पी एस गोविंदपुरम को प्रथम, चौधरी छबीलदास पब्लिक स्कूल को द्वितीय तथा नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज एवं सुशीला मॉडल स्कूल को तृतीय पुरस्कार दिए गए। उक्त पुरस्कार दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्थान समिति द्वारा दिए गए। इस अवसर पर झुग्गी झोपडी में रहने वाले बच्चों से सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाए गए जिसमे बच्चों ने बेहतरीन प्रस्तुति दी तथा इस मंच के माध्यम से उन्होंने अपने विचार भी व्यक्त किये। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक श्री कृष्ण वीर सिंह सिरोही ने अपने विचार व्यक्त किये तथा कहा की उत्थान समिति द्वारा तमाम अच्छे कार्य किये जा रहे है जिसमे पर्यावरण की रक्षा के लिए लोगों को जागरूक करना प्रमुख है। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्थान समिति के चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह ने की।

उन्होंने कहा की संस्था द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन करवाने का मकसद पॉलीथिन के दुष्प्रभावों के लोगों को जागरूक करना तथा स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण के लिए लोगों को सन्देश देना है ताकि हम अपने भारत को स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ बना सकें। कार्यक्रम में सत्येंद्र सिंह, कपिल सचदेवा, राघवेंद्र, बबिता सिंह, उमा मिश्रा, एम.के.मिश्र, आर.सी.माथुर, राजीव, रीना, जीतेन्द्र इत्यादि लोग मौजूद थे।

## शिक्षकों की अनुपस्थिति से कॉपी मूल्याकन का काम हो सकता है प्रभावित

-उद्योग विहार संवाददाता-

**गाजियाबाद।** यूपी बोर्ड की परीक्षा पूरी होने के बाद में अलग अलग सरकारी स्कूलों में कॉपी मूल्याकंन का काम किया जा रहा है। लेकिन स्कूलों में शिक्षकों की अनुपस्थिति की वजह कॉपी मूल्याकंन का काम लंबा खींच सकता है। शिक्षा विभाग की तरफ से दो हफ्ते में काम को निबटाने के लिए दिए हुए है।

लेकिन सेंटरों पर सौ से भी अधिक शिक्षक अनपुस्थित चल रहे है। अंबेडकर रोड पर स्थित श्री सनातन धर्म इंटर कालेज में इंटरमीडिएट और सेठ मुकंद लाल इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की कॉपियों का मूल्यांकन हो रहा है। सोमवार को सनातन धर्म स्कूल में 350 में से केवल 200 शिक्षक उपस्थित रहे, जबकि सेठ मुकुंदलाल इंटर कालेज में हाईस्कूल उत्तर पुस्तिका जांच करने के लिए 735 में से केवल 424 परीक्षक पहुंचे।

महिला शिक्षक अवकाश लेने के लिए गर्भवती, पति और बच्चों की बिमारी और विभिन्न प्रकार के बहाने बना रहीं हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक पंकज पांडेय का कहना है कि मूल्यांकन केंद्रो की जांच की जा रही है। शिक्षकों की अनुपस्थीत पर विचार किया जा रहा है और उनकों पत्र लिखकर बुलाया जा रहा है।

# व्यापारियों ने तुराबनगर में दुकानों के बाहर तोड़े रैम्प

-उद्योग विहार संवाददाता-

**गाजियाबाद।** शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए जिला प्रशासन और व्यापारियों के बीच कोतवाली परिसर में हुई बैठक रंग लाई है। तुराबनगर में व्यापारियों ने जिला प्रशासन की अपील के बाद में आज खुद अपनी दुकानों के बाहर रैम्प तोड़े। इस मौके पर तुराब नगर व्यापार मंडल के चेयरमैन रजनीश बंसल ने बताया कि हम जिला प्रशासन को हर सम्भव पूर्ण सहयोग करेंगे व गाजियाबाद को साफ सुंदर व अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए कार्य करेंगे। शहर को साफ रखने में अगर सभी मिलकर काम करेगें तो ग्राहकों को आने जाने में असुविधा नहीं होगी। रजनीश बंसल के मुताबिक अतिक्रमण के हटने से बाजार में आने वाले ग्राहकों को सुविधा होगी। इसी के चलते आज तुराबनगर में व्यापारियों ने मिसाल कायम करते हुए स्वयं ही अपनी दुकानों के बाहर से रैम्प तोड़े हैं।

उद्योग विहार
निष्पक्ष गारिक सगाचार पत्र
Editorial
04
E-mail : udyogviharnp@yahoo.com
गाजियाबाद, मार्च, 2018
P.

## सम्पादकीय

## पर्यावरण की सुध

सत्येन्द्र सिंह

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कदम उठाते हुए महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में प्लास्टिक और थर्मोकोल के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है। इस फैसले के तहत अब प्लास्टिक की थैलियां, बैग, पाउच, कप-प्लेट-चम्मच जैसी चीजों के उत्पादन पर पूरी तरह से मनाही होगी। अगर कोई इन्हें बेचता या लाता-ले जाता नजर आया तो उसे सजा भुगतनी होगी। सरकार ने पाबंदी का उल्लंघन करने वालों पर पच्चीस हजार रुपए का जुमार्ना और तीन साल जेल की सजा तय की है। हालांकि कुछ मामलों, मसलन दवाइयों और प्रसंस्करित उत्पादों की पैकिंग, बागवानी उत्पादों और पौधों को लपेटने, ठोस कचरे के निपटान और निर्यात के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल होता रहेगा। इसके अलावा, विशेष आर्थिक क्षेत्रों को भी इस प्रतिबंध से अलग रखा गया है। सवाल है कि अगर पाबंदी की ताजा घोषणा रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक के इस्तेमाल को बंद करने की है तो विशेष आर्थिक क्षेत्र में या कुछ अन्य जगहों पर इसके प्रयोग में छूट से इसे कैसे नियंत्रित किया जा सकेगा? हालांकि पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से बेहद अहम सरकार का यह फैसला इसलिए भी जरूरी था कि पिछले कुछ सालों से बारिश के मौसम में मुंबई को बाढ़ जैसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है और उसमें प्लास्टिक कचरे की भूमिका बड़ी मानी गई। बारिश के दिनों में सारे नाले कचरे से जाम हो जाते हैं और इसका बड़ा हिस्सा प्लास्टिक की थैलियां ही होती हैं।

इससे पहले पोलिथीन या प्लास्टिक की थैलियों पर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड जैसे राज्य भी प्रतिबंध लगा चुके हैं। लेकिन घोषणा के बरक्स व्यवहार में इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। जिन राज्यों ने पाबंदी लगाई, वहां आज भी धड़ल्ले से प्लास्टिक की थैलियों का इस्तेमाल हो रहा है। सरकार की ओर से ऐसा कोई पुख्ता बंदोबस्त नजर नहीं आता जो प्रतिबंध पर अमल को सुनिश्चित कराए। सरकारों को प्लास्टिक के इस्तेमाल पर सख्ती बरतने की जरूरत तब लगती है जब इस मसले पर एनजीटी यानी राष्ट्रीय हरित पंचाट और कुछ अदालतें साफ दिशा-निदेर्शों जारी करती हैं और उससे दबाव बनता है। खासतौर पर हिमालय क्षेत्र और गंगा-यमुना जैसी नदियों में बढ़ते प्रदूषण को लेकर एनजीटी ने सख्ती दिखाई और कचरा और अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर सरकारों को फटकार लगाई। फिर भी सरकारों की ओर से व्यवहार में ऐसी पहलकदमी नहीं देखी गई जो इस मसले पर उनकी गंभीरता को दशार्ती हो।

इसमें कोई शक नहीं कि प्लास्टिक से बने सामान हमारे रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। रोजाना हम जितनी भी चीजों का इस्तेमाल करते हैं, उनमें काफी सामान प्लास्टिक के बने होते हैं या उनके निर्माण में प्लास्टिक की भूमिका होती है। इसलिए प्लास्टिक के इस्तेमाल को पूरी तरह खत्म कर पाना मुश्किल है। लेकिन इसका असर यह पड़ता है कि प्लास्टिक की वजह से हमारे आसपास के पर्यावरण को व्यापक नुकसान पहुंचता है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि कानूनी पाबंदी से इतर भी हम अपने जीवन में प्लास्टिक के इस्तेमाल को न्यूनतम स्तर तक लाएं। इसके लिए कानून से भी बड़ी जरूरत लोगों को इस बारे में जागरूक बनाने की है। लोगों को इस बारे में बताना होगा कि प्लास्टिक का प्रयोग इंसान के लिए किस तरह जानलेवा होता जा रहा है। आज प्लास्टिक से पैदा होने वाला कचरा इस धरती के लिए एक बड़ा संकट बन चुका है। इसके इस्तेमाल को घटाने के लिए ऐसे विकल्पों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जो पर्यावरण के अनुकूल हों।

# योगी का एक साल दिखाता है उत्तर प्रदेश का कायाकल्प हो रहा है

19 मार्च को योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। भारी बहुमत, जनता की अपेक्षाओं और आशीर्वाद के बीच यूपी के मुख्यमंत्री बनने के ठीक एक साल बाद अपने प्रदेश के दो लोकसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में इस प्रकार के नतीजों की कल्पना तो योगी आदित्यनाथ और भाजपा तो छोड़िये देश ने भी नहीं की होगी। वो भी तब जब अपने इस एक साल के कार्यकाल में उन्होंने तमाम विरोधों के बावजूद यूपी के गुंडा राज को खत्म करने और वहाँ की बदहाल कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए एन्काउन्टर पर एन्काउन्टर जारी रखे। यहाँ तक कि एक रिपोर्ट के अनुसार एक बार 48 घंटों में 15 एन्काउन्टर तक किए गए।

वादे के अनुरूप सत्ता में आते ही अवैध बूचड़खाने बन्द कराए। अपनी पहली कैबिनेट मीटिंग में किसानों के ऋण माफी की घोषणा की। लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए ऐन्टी रोमियो स्कवैड का गठन किया। अपनी सरकार में वीआईपी कल्चर खत्म करने की दिशा में कदम उठाए। यूपी के पेट्रोल पंपों पर चलने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया। प्रदेश को बिजली की बदहाल स्थिति से काफी हद तक राहत दिलाई। परीक्षाओं में नकल रुकवाने के लिए वो ठोस कदम उठाए कि लगभग दस लाख परीक्षार्थी परीक्षा देने ही नहीं आए। लेकिन इस सब के बावजूद जब उनके अपने ही संसदीय क्षेत्र में उपचुनाव के परिणाम विपरीत आते हैं तो न सिर्फ यह देश भर में चर्चा का विषय बन जाते हैं बल्कि सम्पूर्ण विपक्ष में एक नई ऊर्जा का संचार भी कर देते हैं। शायद इसी ऊर्जा ने चन्द्रबाबू नायडू को राजग से अलग हो कर मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए प्रेरित किया। खास बात यह है कि भाजपा की इस हार ने हर विपक्षी दल को भाजपा से जीतने की कुंजी दिखा दी, 'उनकी एकता की कुंजी'। भाजपा के लिए समय का चक्र बहुत तेजी से घूम रहा है। जहाँ अभी कुछ दिनों पहले ही वाम के गढ़ पूर्वोत्तर के नतीजे भाजपा के लिए खुश होने का मौका लेकर आए, वहीं उत्तर प्रदेश और खास तौर पर गोरखपुर के ताजा नतीजों से अगले कुछ

पल उसकी खुशी में कड़वाहट घोल गए। इससे पहले भी भाजपा अपने ही गढ़ राजस्थान और मध्य प्रदेश के उपचुनावों में हार का सामना कर चुकी है। सोचने वाली बात यह है कि इस प्रकार के नतीजे क्या संकेत दे रहे हैं?

हालांकि एक या दो क्षेत्रों के उपचुनाव के नतीजों को पूरे देश के राजनैतिक विश्लेषण का आधार नहीं बनाया जा सकता लेकिन फिर भी यह नतीजे कुछ तो कहते ही हैं। कहने को कहा जा सकता है कि भाजपा का पारम्परिक वोटर वोट डालने नहीं गया और इसलिए कम वोटिंग प्रतिशत के कारण भाजपा पराजित हुई लेकिन हार तो हर हाल में हार ही होती है और उसे जीत में बदलने के लिए अपनी हार और अपने विरोधी की जीत दोनों का ही विश्लेषण करना आवश्यक हो जाता है। उत्तर प्रदेश की ही बात लें। क्या दो लोकसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार की जीत उसकी बढ़ती हुई लोकप्रियता का संकेत है? जी नहीं, खुद अखिलेश इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि उनकी इस जीत में बसपा के वोटबैंक का पूरा योगदान है और वह अकेले अपने दम पर इसे हासिल नहीं कर सकते थे। दरअसल बात भाजपा प्रत्याशियों के हारने की नहीं उनकी हार में छिपे उस संदेश की है कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य अपनी छोड़ी सीट इसलिए हार गए क्योंकि वे अपने ही संसदीय क्षेत्र के लोगों का दिल नहीं जीत पाए। बात समाजवादी पार्टी और बसपा के गठबंधन की जीत की नहीं इस जीत में छिपे उस संदेश की है कि आज भी ₹जाति की राजनीति₹ के आगे ₹भ्रष्टाचार और विकास₹ कोई मुद्दा नहीं हैं। यह न सिर्फ कटु सत्य है किन्तु दुर्भाग्य भी है कि इस देश में आज भी विकास पर जाति हावी हो जाती है। सत्ता के लालच के लिए जाति और वोट बैंक के गणित के आगे सभी दल अपने आपसी मतभेद, मान अपमान के मुद्दे और दुश्मनी तक भुलाकर एक हो जाते हैं। जैसा कि अभी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित करने के लिए लोकसभा में वो सभी दल एक जुट हो गए जो राज्यों में एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। जैसे आंध्र की वाईएसआर काँग्रेस पार्टी और तेलुगू देसम और पश्चिम बंगाल की तृणमूल काँग्रेस और माकपा। देश की राजनीति और लोकतंत्र के लिए इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है कि ये सभी विपक्षी दल देश की जनता के सामने देश हित की कोई स्पष्ट नीति अथवा ठोस विचार रखे बिना केवल मात्र स्वयं को एकजुटता के साथ प्रस्तुत करके भी अपने अपने वोट बैंकों के आधार पर आश्चर्य जनक परिणाम प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन वोटिंग प्रतिशत और जाति गत आँकड़ों का विश्लेषण करके सत्ता तक पहुंचने का रास्ता खोजने वाले यह विपक्षी दल चुनावी रणनीति बनाते समय यह भूल जाते हैं कि देश का वोटर आज समझदार हो चुका है। वो उस ग्राउंड रिपोर्टिंग को नजरअंदाज करने की भूल कर रहे हैं कि देश की जनता भाजपा के स्थानीय नेताओं और ढुलमुल रवैये से मायूस है जो इन नतीजों में सामने आ रही है लेकिन 'मोदी ब्रांड' पर उसका भरोसा और मोदी नाम का आकर्षण अभी भी कायम है। आज चुनाव जीतने के लिए वोटर और जातिगत आंकड़ों से ज्यादा महत्वपूर्ण उसका मनोविज्ञान समझना और उससे जुड़ना है। और इसमें कोई दोराय नहीं कि आज भी देश के आम आदमी के मनोविज्ञान और भरोसे पर मोदी ब्रांड की पकड़ बरकरार है। जब बात देश की आती है तो इस देश के आम आदमी के सामने आज भी मोदी का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए चुनावी पंडित अगर वोटर के मनोवैज्ञानिक पक्ष को नजरअंदाज करेंगे तो यह उनकी सबसे बड़ी भूल होगी। आगामी लोकसभा चुनावों की बिसात बिछाते समय विपक्ष इस बात को न भूले कि ₹ये पब्लिक है ये सब जानती है।

# बंदरों को आधार कार्ड क्यों नहीं ? (व्यंग्य)

हिमाचल प्रदेश में लगभग दो हजार बंदर हैं। इन बंदरों ने राज्य में उत्पात मचा रखा है। विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने सत्ता मिलने पर बंदरों की समस्या से निजात दिलाने का वादा किया था। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान बंदरों की संख्या पर काबू पाने के लिए उनकी नसबंदी अभियान नहीं चलाने के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराया था। बंदरों की नसबंदी के लिए पूर्व की कांग्रेस सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च किए हैं लेकिन उनकी संख्या बढ़ती ही जा रही है। राजनैतिक दल बंदरों की समस्या को समझ नहीं पा रहे हैं। बंदर इसलिए उत्पात मचा रहे हैं क्योंकि सरकार ने यह घोषणा की है कि आधार की तर्ज पर देश में गायों को यूनिक आईडी नंबर मिलेगा। गायों को आधार कार्ड मिलने से उनका मूल्य काफी बढ़ जाएगा। आधार कार्ड मिलने से गायों को सभी सरकारी योजनाओं का फायदा मिलेगा। गायों को आधार कार्ड मिलने की खबर से इतनी खुशी हो रही है कि उन्हें लग रहा है जैसे उनको लाल बत्ती मिलने वाली हो। आधार कार्ड मिलने से उनको सरकारी योजनाओं के फायदे मिलेंगे और साथ ही वे सारे मूलभूत अधिकार मिल जाएँगे जो की संविधान के अंतर्गत हर भारतीय को प्राप्त हैं। गाय बिरादरी में इस खबर से खुशी की लहर दौड़ गई है। गायों के कुछ बछड़े अपनी माताओं से पूछ रहे हैं कि क्या आधार कार्ड से हमारे भी बैंक खाते खुलेंगे? और यदि हमारे बैंक खाते खुलते हैं और भविष्य में यदि नोटबंदी होगी तब हमारे खातों में टैक्स चोरी करने वाले करोड़ों रुपए जमा करेंगे तब वे रुपए हमारे ही हो जाएँगे तब हमारी सत्तर पीढ़ियां बैठ कर हर रोज चारे की जगह काजू बादाम, हलवा पूड़ी खाएंगी। गायों के आधार कार्ड बनने की खबर से पूरे ब्रह्माण्ड के जानवरों में खलबली मची हुई है। बंदरों ने अपनी बिरादरी की संसदीय बोर्ड की आपातकालीन मीटिंग बुलाई थी जिसमें मुख्य मुद्दा यही था कि अगर गायों को आधार कार्ड दिए जा रहे हैं तो संविधान के अनुसार हमें भी ये कार्ड मिलने चाहिए। बंदर बिरादरी में सबसे अधिक आक्रोश है।

उनका कहना है कि आधार कार्ड सबसे पहले हमें मिलना चाहिए क्योंकि हम मनुष्य के पूर्वज हैं। यदि गायों से पहले हमें आधार कार्ड नहीं मिले तो हम पूरे देश में इतनी उछलकूद करेंगे कि देश के चुने हुए प्रतिनिधि भी उछलकूद करना भूल जाएँगे। बंदर बिरादरी का यह सोचना है कि सभी जानवर बिरादरियों के अपने-अपने घर हैं। केवल बंदर बिरादरी को ही घर/ मकान की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

आधार कार्ड बनने से उनको भी सरकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा और साथ ही घर की समस्या भी हल हो जाएगी। जानवरों की किस बिरादरी को आधार कार्ड दिए जाने चाहिए और उन आधार कार्ड को किन-किन सरकारी योजनाओं से लिंक करना चाहिए इसके बारे में एक आयोग गठित करना चाहिए। सरकार इतना ही कर देगी तो बंदर उत्पात मचाना बंद कर देंगे क्योंकि आखिर वे भी मनुष्यों के पूर्वज ही हैं। खाली दिमाग शैतान का घर होता है। यदि बंदर खाली बैठे रहेंगे तो उछलकूद करेंगे और उत्पात मचाएँगे। जापान की राजधानी टोकियो में एक ऐसा रेस्टोरेंट है जहाँ वेटर का काम बंदर करते हैं। हमारे देश में बंदरों को स्वच्छता अभियान के काम में लगाया जा सकता है।

# उद्योग विहार

निष्पक्ष गारिक रागाचार पत्र

05 P.

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गाजियाबाद, मार्च, 2018


# उत्थान समिति द्वारा राजनगर सेन्ट्रल पार्क में निशुल्क हेल्थ चेक अप कैम्प लगाया गया

**-उद्योग विहार संवाददाता-**

**गाजियाबाद।** उत्थान समिति द्वारा राजनगर सेन्ट्रल पार्क में कोलंबिया एशिया अस्पताल के सहयोग से निशुल्क हेल्थ चेक अप कैम्प लगाया गया जिसमे 137 लोगों का इलाज किया गया। इस बार कैंप में डॉ. आशुतोष झा हड्डी रोग विशेषज्ञ ने मरीजों की जाँच की तथा उन्हें जरूरी उपाय बताये तथा दवा लिखी। मरीजों का बोन डेन्सिटी टेस्ट निशुल्क करके उनकी हड्डियों की मजबूती तथा डेन्सिटी (घनत्व) की जांच की गयी। इस अवसर पर समिति के चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह ने कहा की हड्डियों के मरीजों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है जिसका मुख्य कारण खानपान तो है ही साथ में प्रदूषण भी जिम्मेवार है। हमें मिलावट वाले दूध को पीना पड़ रहा है तभी आज कल छोटे बच्चों में भी ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या बढ़ती जा रही है।

## अपनी सम्पूर्ण शारीरिक जांच साल में एक बार अवश्य करवानी चाहिए

डॉ. आशुतोष झा ने कहा की महिलाओं को चालीस की उम्र के बाद अपना खास ध्यान रखने की आवश्यक्ता है क्योंकि चालीस की उम्र के बाद शरीर में विटामिन डी की मात्रा कम होने से ही ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या होती है। सभी को चालीस की उम्र के पश्चात अपनी सम्पूर्ण शारीरिक जांच साल में एक बार अवश्य करवानी चाहिए। ताकि समय पर इलाज हो सके।

साथ ही गर्भवती महिलाओं को भी दूध, दही, पनीर इत्यादि का अधिक से अधिक सेवन करना चाहिए ताकि संतान स्वस्थ हो। इससे उनके शरीर में भी विटामिन डी की कमी नहीं होगी।

## जलकल विभाग बनाएगा रिबोरिंग की नई नीति

**-उद्योग विहार संवाददाता-**

**गाजियाबाद।** जलकल विभाग में ठेकेदारों पर नकेल कसने के लिए नगर निगम अब नई नीति लागू करने जा रहा है। इससे विभाग को आर्थिक हानि से राहत मिल सकेगी। अधिशासी अभियंता जल ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। दरअसल पिछले वित्तीय वर्ष में जलकल विभाग ने 750 हैंडपम्प रिबोर कराए और 301 नए हैंडपंप स्थापित किए। मौजूदा स्थिति में हैंडपम्प रिबोर की मांग निरंतर हो रही है। ऐसे में नगर निगम को लाखों रुपए व्यय करने पड़ते हैं। अधिशासी अभियंता आनंद त्रिपाठी ने विभाग को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए नया रास्ता निकाला है। हैंडपंप रिबोर के लिए कुछ शर्तें निर्धारित की गई हैं। इसके तहत उन हैंडपंपों को रिबोर किया जाएगा जो पिछले तीन साल में रिबोर नहीं किए गए हैं।

वहीं, अवर अभियंता को नोटिंग बनानी होगी जिसमें हैंडपंप का स्थल, नंबर व रिबोर का प्रस्तावित स्थल अंकित करना होगा। उन्हीं हैंडपंप को रिबोर किया जाएगा जो सार्वजनिक स्थान, सामुदायिक शौचालय, मार्केट, स्कूल आदि के निकट होंगे।

हैंडपम्प को रिबोर करने से पूर्व उसकी सामग्री की आवश्यकता की पत्रावली अंकित करनी होगी। साथ रिबोर के लिए तैयार की गई पत्रावली में फोटो संलग्न किया जाएगा। उक्त पत्रावली का भुगतान के समय रिबोर किए गए हैंडपंप का वर्ष, वार्ड नंबर, संख्या और कब रिबोर का वर्ष अंकित कराना आवश्यक होगा।

## गर्मी का मौसम फिर सिर पर

# वाटर एटीएम योजना का पता नहीं

**-उद्योग विहार संवाददाता-**

**गाजियाबाद।** नगर निगम की कभी शहर में वाटर एटीएम की योजना परवान चढ़ पायेगी इसकी दूर तक भी उम्मीद नजर नहीं आ रही है जिस योजना को एक साल पहले परवान चढ़ जाना था उसका दूर तक भी अता पता नहीं है एक साल में भी वाटर एटीएम मशीन नहीं लगा सका है। शहर भर में पचास से ज्यादा स्थानों पर वाटर एटीएम मशीन लगाई जानी थी। गर्मी में एटीएम मशीन से लोगों को पीने का साफ और ठंडा जल मिलता, पर एक भी वाटर एटीएम अभी तक यहां शुरू नहीं हो सका है। कोई ये बताने की स्थिति में नहीं है की वाटर एटीएम लग भी पाएंगे अथवा नहीं जबकि फिर से गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। निवर्तमान मेयर आशु वर्मा के कार्यकाल के दौरान वाटर एटीएम लगाए जाने का दावा किया गया था ये भी दावा किया गया था की वाटर एटीएम लगने के बाद उन इलाको के लोगो को लाभ मिलेगा जहां पर पानी का संकट रहता है हिंडन पार में एक दर्जन से ज्यादा कॉलोनी में लोगों को पानी का संकट रहता है। यहां पर 48 घंटे बाद घरों में जलापूर्ति होती है। गर्मी में भोपुरा, तुलसी निकेतन, राजीव कॉलोनी, शालीमार गार्डन, कड़कड़ मॉडल, पीर कॉलोनी, महाराजपुर आदि में लोगों को पानी का संकट रहता है। इन कॉलोनियों में रहने वाले अधिकांश परिवार निम्न मध्यम आय वर्ग के हैं। ऐसे में वह आरओ नहीं लगा सकते हैं।

नगर निगम ने एक साल पहले लोगों की पानी की समस्या दूर करने के लिए वाटर एटीएम लगाने का निर्णय लिया था। इसके लिए निजी कंपनी से वाटर एटीएम लगाने का अनुबंध किया। कंपनी ने 2017 से ही वाटर एटीएम लगाने का काम शुरू कर दिया

था। इसमें साहिबाबाद गांव के मुख्य मार्ग पर वाटर एटीएम मशीन के लिए कमरे का निर्माण कार्य भी किया गया।

यहां पर सबमसर्बिल और पानी की टंकी भी रखी गई, लेकिन नगर निगम चुनाव के बाद से वाटर एटीएम मशीन लगाने का काम बंद हो गया है।

लोगों ने बताया कि जहां पर वाटर एटीएम का काम शुरू किया था। वहां पर हाल में सभी जगह काम बंद हो चुका है। हालांकि जलकल महकमे के जी एम शैलेन्द्र पाठक का कहना है कि योजना उनके संज्ञान में नहीं है वह ये बताने की स्थिति में में नहीं जिन कम्पनियो के साथ अनुबंध हुआ उसमे क्या रहा।

# उद्योग विहार

निष्पक्ष गारिक रागाचार पत्र

उद्योग–जगत

06 P.

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गाजियाबाद, मार्च, 2018


# ऐसे कैसे स्मार्ट सिटी बनेगा गाजियाबाद

## गंदगी से भरे सार्वजनिक शौचालय, सुध लेने वाला कोई नहीं, लोग परेशान

-उद्योग विहार संवाददाता-

**गाजियाबाद।** रमतेराम रोड स्थित स्थित सार्वजनिक शौचालय में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। मुख्य रोड पर बने शौचालय में कई दिनों से कोई सफाई नहीं हुई है। बेशुमार गंदगी के कारण लोगों ने इस शौचालय का प्रयोग करना बंद कर खुले में शौच शुरू कर दिया है। एक ओर नगर निगम गाजियाबाद को स्मार्ट सिटी की दौड़ में शामिल कराने के लिए पूरे शहर में स्वच्छता अभियान चला रहा है। ऐसे में गंदगी से भरे ये शौचालय स्वच्छता अभियान की कलई खोल रहे हैं। ऐसे गंदगी से अटे शौचालय ही शहर के स्मार्ट सिटी में बाधा बन रहे हैं।

नगर निगम के अधिकारी शहर की सफाई व्यवस्था के लिए जीजान से जुटे हैं लेकिन सफाईकर्मी द्वारा उनके मंसूबों पर पानी फेर रहे हैं। बीते दिनो शहर की स्वच्छता की जानकारी के लिए नगर निकाय टीम टीम सर्वे करने आयी थी। टीम ने तीन दिन तक गली मोहल्ले में सर्वे कर रिपोर्ट ले गई।

जब टीम सर्वे कर रही थी तब इन शौचालय की साफ- सफाई के कोई कसर नहीं छोड़ी गई। नगर निगम के अधिकारी भी शौचालयों की सफाई व्यवस्था का जायजा लेते रहे। शौचालय की सफाई फिनायल की गई। अब सर्वे टीम जा चुकी है ऐसे में सफाईकर्मियों ने शौचालय की साफ- सफाई बंद कर दी है जिससे इस शौचालय में गंदगी का अंबार लगा है।

# बच्चियों ने दिया संस्कृति बचाने का संदेश

-उद्योग विहार संवाददाता-

**गाजियाबाद।** डॉक्टर विनोदनी सुरेन्द्र सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में शिवा डांस इस्टीट्यूट ने हिन्दी भवन में अपना 12वां भव्य वार्षिकोत्सव मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेन्द्र बच्चन, क्लासिकल कोरियोग्राफर सोनिका श्रीवास्तव और राष्ट्रीय कायस्थ विचार मंच के महासचिव गौरव श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इसके बाद विद्या कला निकेतन वसुंधरा की बच्चियों ने नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति को बचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शिवा डांस इस्टीट्यूट गाजियाबाद और विद्या कला निकेतन की छोटी-छोटी बच्चियों ने नृत्य की एक से बढ़कर एक विधाओं का प्रदर्शन किया।

राधा-कृष्ण की लीलाओं से दर्शकों का मन मोह लिया। कुचिपुणी और भारत नाट्यम कत्थक नृत्य पर खूब तालियां बटोरी। डांस में दिव्यांग बच्चियों का प्रदर्शन देखकर हिन्दी भवन के हाल में बैठे दर्शक अवाक रह गए। वहीं भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री स्वर्गीय श्रीदेवी को नृत्य के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बच्चियों की प्रतिभा देखकर सभी ने उनकी और उनके गुरुओं खासकर भारत नाट्यम की प्रतिमूर्ति सोनिका श्रीवास्तव और विद्या की एक स्वर से प्रशंसा की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कायस्थ विचार मंच के राष्ट्रीय संयोजक वी पी श्रीवास्तव और दिल्ली के थाना कश्मीरी गेट के एसएचओ बालाजी शंकरन का समारोह के आयोजकों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत-सत्कार किया गया। इसके बाद वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन, संयोजक राष्ट्रीय कायस्थ विचार मंच विजय प्रकाश श्रीवास्तव, अतिरिक्त थाना प्रभारी बालाजी शंकरन और गौरव जन कल्याण संस्थान समिति के अध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव ने नृत्य की प्रतिभाओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में श्याम श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा। भारत नाट्यम एवं क्लासिकल कोरियोग्राफर सोनिका श्रीवास्तव ने समारोह में उपस्थित सभी अभिभावकों के प्रति आभार जताकर कार्यक्रम का समापन किया।

## लोगों को दी जाएगी स्वच्छता की जानकारी

**गाजियाबाद।** स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत सत्याग्रह से स्वच्छाग्रह तक कार्यक्रम में जिले के 55 स्वच्छाग्रही बिहार के चंपारण में हिस्सा लेंगे। ये ऐसे 55 स्वच्छाग्रही हैं, जिन्होंने अपने-अपने गांव में स्वच्छता के लिए बेहतरीन कार्य किया है। तीन अप्रैल से शुरू होने वाले कार्यक्रम के दौरान बिहार के लोगों को स्वच्छता पर जानकारी देंगे और वहां चलने वाले स्वच्छता कार्यक्रमों की बारीकियां सीखेंगे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने चंपारण से ही सत्याग्रह की शुरूआत की थी, जिससे प्रेरित होकर भारत सरकार द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन चंपारण में किया जा रहा है। सात दिवसीय कार्यक्रम के समापन पर दस अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वच्छाग्रहियों को संबोधित करेंगे।

# खत्म हो रही सहनशीलता, मौत को गले लगा रहे लोग

कहते है कि आदमी को कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। समय एक सा नहीं रहता है। हर आदमी के जीवन में उतार चढ़ाव आते रहते है, जब तक आदमी जीवित है। उसकी जिदगी में सुख-दुख आते रहेंगे। उसे हर स्थिति का डटकर सामना करना चाहिए। लेकिन यह बातें अब मात्र कहने के लिए रह गई है। क्योकि आदमी आज की भाग दौड़ वाली जिंदगी में सेहन शीलता खोता जा रहा है। जिसके चलते वह लगातार मौत को गले लगा रहा है। आत्महत्या करने से पहले आदमी सोचता है कि उसे ऐसा करने से मुक्ति मिल जाएंगी। लेकिन वह यह भूल जाता है कि उसके पीछे उसके परिवार का क्या होगा। आदमी के जीवन में विभिन्न तरह की परेशानियां है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह आत्महत्या जैसा घिनौना कदम उठाएं। उसे चाहिए कि वह परेशानियों से बहार आने का प्रयास करें। ताकि वह 36 हजार योनियों के बाद मिलने वाली जिंदगी को पूरी तरह से जी सकें। आत्महत्या करने वालो में युवाओं की संख्या अधिक सामने आ रही है।

## आज भी युवकों ने सहनशीलता खोकर की आत्महत्या

विजय नगर और लिंक रोड थाना क्षेत्र में दो युवक ने आत्महत्या कर ली। एक युवक ने फांसी लगाकर और दूसरे ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। घटनाओं की जानकारी मिलने पर पुलिस घटनास्थलों पर पहुंची और छानबीन कर शवो को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुदामापुरी में 22 वर्षीय राहुल परिवार के साथ रहता था। वह मेहनत मजदूरी करके अपना व परिवार का पालन पोषण कर रहा था। शुक्रवार की रात राहुल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता परिजनो को चला तो उनमें कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। पुलिस ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरूआती जांच में आत्महत्या का कारण आर्थिक तंगी लग रहा है। छानबीन जारी है। इसके अलावा महाराजपुर निवासी 38 वर्षीय विकास ने शनिवार सुबह महाराजपुर में ही ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पुलिस ने बताया कि विकास बीमारी से त्रस्त था, हो सकता है कि इसी के चलते विकास ने मौत को गले लगाया हो, छानबीन जारी है।

## छह दिन में पांच लोगों ने मौत को लगाया गले

सोमवार को गोविन्दपुरम निवासी संजय शर्मा के 17 वर्षीय पुत्र देव शर्मा ने पढाई को लेकर आत्महत्या कर ली थी। वह केंद्रीय विद्यालय में कक्षा 11वीं का छात्र था। बुधवार को विजयनगर सेक्टर 9 के मकान संख्या जी-112 में रहने वाले संजय शर्मा की 14 वर्षीय बेटी सिद्धि शर्मा ने परीक्षा खराब होने पर फांसी लगा ली थी। सिद्धि शर्मा इंग्राहम स्कूल में कक्षा नौ की छात्रा थी। जबकि बुधवार रात मसूरी में टेक के छात्र शिभांशु फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। शुक्रवार को विजयनगर के सुदामापुरी और लिंकरोड के महाराजपुर में फिर दो युवको ने जान दे दी। आत्म हत्या करने वालों में सबसे ज्यादा मल्टी स्टोरीज बिल्डिंगों में रहने वाले युवा ज्यादा शामिल है। जबकि इन मल्टीस्टोरी बिल्डिंगों में रहने वाले लोगों को कमी नहीं रहती लेकिन लोग और अधिक की चाह में अपनी जान दे रहे हैं। यह बेहद गंभीर मामला है।

## क्या कहते है मनोवैज्ञानिक

मामले में मनोवैज्ञानिको का कहना है कि आदमी को चाहिए कि वह धैर्य से काम लें। वरिष्ठ फीजिशियन डा. दीपक अग्रवाल का कहना है कि आत्महत्या करने से पहले आगे-पीछे की सोचे। ऐसा करने से होने वाली आत्महत्याओं में कमी लाई जा सकी है। बात रही युवाओं के आत्महत्या करने की तो अभिभावकों को चाहिए कि वह अपने बच्चों का पूरा ध्यान रखने के साथ उनकी दिन चर्चा पर नजर रखें और उनसे प्रतिदिन प्यार से बात करें तथा उनकी बात ध्यानपूर्वक सुनें। ऐसा करने से बच्चे के मन का बोझ हल्का होगा और आत्महत्या करने के बारे में कम सोचेंगा। वरिष्ठ नाक-कान गला विशेषज्ञ डा. बीपी त्यागी कहते हैं कि भागदौड़ भरे जीवन में लोगों की सहनशीलता कम होती जा रही है। यही कारण है कि लोग छोटी मोटी बातों को लेकर भी मौत को गले लगा रहे हैं। इसके लिए जरूरी है कि धैर्य बनाए रखे और यह मानकर चले कि जीवन में सुख-दुखी जानी जानी चीज है और समय कभी भी एकसा नहीं रहता है। घोर अंधेर के बाद उजाला होता है। डा. त्यागी का कहना है कि इंसान को हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और अच्छे समय के लिए न केवल इंतजार करना चाहिए बल्कि ईमानदार कोशिश करनी चाहिए।

# उद्योग विहार

निष्पक्ष गारिक रागाचार पत्र

राष्ट्रीय

07 P.

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गाजियाबाद, मार्च, 2018


## योगी सरकार का एक साल

# सरकारी जमीन पर बसे गरीबों को उसी जमीन का पट्टा

### सरकार की अन्य घोषणाएं

-10 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान।
-हर मंडल मुख्यालय पर डाइविंग प्रशिक्षण केंद्र।
-अगले साल मार्च तक चरणबद्ध तरीकों से सभी तहसील एवं ब्लाक मुख्यालय दो लेन से, जिला मुख्यालय चार लेन की सड़कों से और 1500 से अधिक गांव संपर्क मार्ग से जुड़ेंगे।
-प्रदेश की जो सड़कें अन्य प्रदेशों से जुड़ती हैं, उन सभी 54 मार्गों का 1333 करोड़ रुपये की लागत से सुंदरीकरण।
-35 महीने में पनकी पावर हाउस की क्षमता का विस्तार।
-80 लाख परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन और 62 हजार मजरों का विद्युतीकरण।
-1 करोड़ 75 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण।
-ड्रिप इरीगेशन से बढ़ाई जाएगी 55 हजार हेक्टेअर भूमि का सिंचाई क्षमता
-आलू किसानों के हित के लिए आलू किसान बोर्ड और दो सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना।
-आगरा, मेरठ और कानपुर मेटो के लिए सरकार देगी 33 हजार करोड़ रुपये।
-बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा में अप्रैल से एनसीइआरटी पाठ्यक्रम
-हर जिले में एक आदर्श नगर पंचायत।
-बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में पेयजल की आपूर्ति के लिए दो हजार करोड़ रुपये।

**लखनऊ।** गोरखपुर और फूलपुर लोकसभा उपचुनाव में मिली अप्रत्याशित हार और अगले साल होने वाले लोकसभा के आम चुनाव का असर सरकार के पहले सालगिरह के जश्न में भी दिखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान कई लोकलुभावन घोषणाएं की। उन्होंने साधारण मिट्टी से रायल्टी खत्म करते हुए किसानों को जहां बड़ी राहत दी, वहीं सरकारी जमीन पर बसे गरीबों को इसी जमीन का पट्टा देने का एलान भी किया। प्रदेश में भाजपा सरकार के एक साल पूरे होने पर सोमवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा साधारण मिट्टी के प्रयोग में आमजन को आ रही कठिनाइयों को देखते हुए रायल्टी खत्म करने का फैसला लिया गया है। पुलिस या अन्य को इसकी जांच करने का अधिकार नहीं होगा। अगर कोई ऐसा करता मिला तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि

भट्ठा मालिक अगर ईंट के दाम कम करते हैं तो उनसे भी मिट्टी पर रायल्टी नहीं ली जाएगी।

**सार्वजनिक जमीन से नहीं उजाड़े जाएंगे गरीब :** योगी ने कहा कि एंटी भू माफिया अभियान पूरी सख्ती से जारी रहेगा। सत्ता के संरक्षण और शह पर जिन लोगों ने भी सरकारी जमीनों पर कब्जा किया है, उनको कब्जा छोड़ना होगा लेकिन, किसी गरीब ने ऐसी जमीन पर कच्चा-पक्का घर बना लिया है तो उसे उजाड़ा नहीं जाएगा। वह जमीन संबंधित व्यक्ति को पट्टा कर दी जाएगी। किस जिले के डीएम कितने पट्टे करते हैं, इसे मैं खुद देखूंगा। बेहतर हो कि ऐसे पट्टे स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पूरी पारदर्शिता से दिये जाएं।

**चार लाख युवाओं को मिलेगी नौकरी :** योगी ने कहा कि सरकार 64 विभागों में चार लाख पदों पर नियुक्तियां जल्द ही करने जा रही है। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रदेश में सरकारी पदों पर नियुक्ति की यह सबसे बड़ी योजना है। इसके तहत खंड विकास अधिकारी, ग्राम्य विकास अधिकारी, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, लेखपाल, आरक्षी, उप निरीक्षक, अवर अभियंता आदि हर स्तर के पदों को भरा जा सकेगा।

**भ्रष्टाचार रोकने के लिए 'एंटी करप्शन पोर्टल :** सरकार ने भ्रष्टाचार रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए 'एंटी करप्शन पोर्टल भी सोमवार से शुरू किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर कोई भी व्यक्ति भ्रष्टाचार से संबंधित आडियो-वीडियो अपलोड कर सकेगा। ऐसी शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जाएगी। भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में आम आदमी को ताकतवर बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। योगी ने कहा कि पिछली सरकारों के पंद्रह साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार इतना अधिक बढ़ गया था कि इस तरह का कदम उठाना जरूरी है।

**और भव्य होगी काशी की देव दीपावली :** विकास के साथ सरकार अपने हिंदुत्व के एजेंडे पर इस साल भी कायम रहेगी। अयोध्या के दीपोत्सव, ब्रज के रंगोत्सव के साथ सरकार अब काशी में देव दीपावली को और भव्य तरीके से मनाएगी। चित्रकूट के संकीर्तन का भी भव्य तरीके से आयोजन होगा। इसी क्रम में कुंभ में 'मल्टी मीडिया डिजिटल म्यूजियम की स्थापना जिसमें देवासुर संग्राम से लेकर कुंभ का सारा इतिहास होगा। अयोध्या में प्रस्तावित रामकथा संग्रहालय में पूरा रामचरित मानस जीवंत होगा।

## हिंडन नदी के किनारे बनेगा शहीद स्मारक, लगेंगी शहीदों की मूर्तियां

**-उद्योग विहार संवाददाता-**

**गाजियाबाद।** यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो आने वाले समय में हिंडन नदी के किनारे पर आपको एक नया शहीद स्मार्क दिखायी देखा जिसमें 1857 के गदर में हुए शहीदों की मूर्तियां लगाई जाएंगी। इसके लिए महापौर आशा शर्मा ने नगर निगम के मुख्य अभियंता को इस संबंध में निर्देश दिए। आशा शर्मा ने राष्ट्रीय आईना को बताया हिंडन नदी के किनारे पर वर्ष 1857 में बड़ा गदर हुआ था और उसमें काफी संख्या में भारतीयों ने लड़ते हुए अपने प्राण न्योच्छावर कर दिए थे। उनकी याद में नए बस अडडे के सामने एक शहीद स्मारक बनाया गया था जिसे मेट्रो के कारण शिफ्ट करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इस कमी को दूर करने के लिए हिंडन नदी के किनारे पर एक अलग से शहीद स्मारक बनाया जाएगा। जिसमें नगर निगम द्वारा इसको बेहतर ढंग से विकसित किया जाएगा बल्कि उसने शहीदों की मूर्तियां भी स्थापित की जाएगी ताकि नई पीढ़ी को शहीदों के बारे में जानकारी हासिल हो सके और वे उनके प्रेरणा ले सके। उन्होंने बताया कि इसके लिए स्थान की तलाश शुरू कर दी गई है।

## उद्यमियों ने किया एसएसपी का स्वागत

**-उद्योग विहार संवाददाता-**

**नोएडा।** औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं को लेकर नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन (एनइए) अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन के नेतृत्व में उद्यमियों का एक प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा से मिला। गौतमबुद्ध नगर में पदभार ग्रहण करने पर जोरदार स्वागत कर बधाई दी। इसके बाद समस्याओं से अवगत कराया।

एनइए अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने डा. अजय पाल शर्मा की जिला गौतमबुद्ध नगर में नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि नए कप्तान के कुशल नेतृत्व एवं वृहत अनुभव से नोएडा की कानून एवं यातायात व्यवस्था में व्यापक सुधार होगा।

जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा ने उद्यमियों का आश्वासन दिया कि शहर की कानून व्यवस्था उनकी प्राथमिकता है। अपराध पर अंकुश लगाने के लिए ही यहां पर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई है।

# बादशाह के अहं ने किया एक कलाकार का अंत

**-उद्योग विहार संवाददाता-**

**गाजियाबाद।** सत्ता, राजनीति और निरंकुशता किस प्रकार एक सीधे सादे कलाकार को बर्बाद कर देती है। किस तरह एक कलाकार इन सबसे बेखबर होकर कब सत्ताधारियों के चंगुल में फंस जाता है उसे पता ही नहीं चलता। नाटक हानुश में एक घडीसाज की ऐसी ही कहानी को कलाकारों ने बहुत ही सशक्त तरीके से प्रस्तुत किया। द्रोपदी एक आवाज कला मंच के कलाकारों ने अदिति उन्मुक्त के निर्देशन में हिंदी भवन में भीष्म साहनी द्वारा लिखित नाटक हानूश का बहुत ही शानदार मंचन किया। नाटक में दिखाया कि हानूश जो कि एक घडीसाज है, वो पिछले पंद्रह सालों से एक घडी को बना रहा होता है, वो बार बार घडी बनाने की कोशिश करता लेकिन उसकी घडी खराब हो जाती है। उसकी घडी बनाने के इस शौक से उसकी पत्नी कात्या भी बहुत नाराज रहती। घडी को बनाने के चक्कर में वो अपने परिवार पर भी ध्यान नहीं दे पाता था। एक रोज हानूश की घडी बनकर तैयार हो जाती है।

वहीं हानुश की घडी को लेकर नगरपालिका और गिरजेघर वालों में होड थी कि कौन उसकी घडी को अपने यहां लगवाकर बादशाह को खुश करने की कोशिश करेगा। नगरपालिका के लोग चाल

चलकर हानूश की बिना सलाह के घडी को नगपालिका पर टंगवा देते हैं।

राज्य के बादशाह को ये बात बहुत नागवार गुजरती है कि बिना उनकी इजाजत के घडी को क्यों बनाया गया और क्यों टांगा गया। इस बात की सजा वो हानुश को देते है। नाटक का प्रभाव इतना रहा कि दर्शक कई दिरश्यों पर भाव विभोर हो गए और खडे होकर उन्होने कलाकारों का उत्साहवद्धन किया। इस नाटक से स्थानीय कलाकारों ने ये साबित कर दिया कि उन्हें अच्छा मंच, अवसर और शहर के लोगों का सहयोग दिया जाए तो वो बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते है। नाटक में हानूश का पात्र अक्षित राजपूत ने बहुत ही प्रभावशाली रूप से निभाया। कात्या के रोल में अदिति उन्मुक्त ने सशक्त अभिनय किया। बादशाह की भूमिका में सूर्यकांत ने काफी अच्छा अभिनय कियां इसके अलावा नाटक में भारती, विनोद वर्मा, देव सिंह, निशांत मुदगल, हरीश श्रीवास्तव,यश गायेल, नवीन राव, सागर सिंह, जतिन गोतम, रणविंदर, शुभम, शिवांश सक्सेना ने शान अभिनय किया। मंच संचालन मनीष शर्मा ने किया। नाटक के मंचन में योगदान देने वाले पूजा चडढा, सिकंदर यादव, अमित गर्ग, देवेंद्र हितकारी, सतीश गोयल, कजरी गर्ग, दीपक, प्रवीन गुप्ता, दिनेश, आलोक सिसौदिया, सतेंद्र सिंह, सुनील गर्ग, राजुकमार, मयंक गोयल को सम्मानित किया गया।

# उद्योग विहार

निष्पक्ष गारिक रागाचार पत्र

08 P.

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गाजियाबाद, मार्च, 2018

# The Fault In Our Stars के रीमेक में सुशांत सिंह राजपूत के साथ नजर आएंगी संजना सांघी

**नई दिल्ली।** हॉलीवुड फिल्म 'द फॉल्ट इन आवर स्टार्स' का रीमेक बनाने की तैयारियां काफी जोरों पर हैं. फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत का नाम तो फाइनल कर लिया गया है. इस फिल्म में उनकी जोड़ी नई नवेली एक्ट्रेस संजना सांघी के साथ जमेगी. 'द फॉल्ट इन आवर स्टार्स' का रीमेक फॉक्स स्टार स्टूडियो के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म को मुकेश छाबड़ा डायरेक्टर करेंगे. बता दें कि 'द फॉल्ट इन आवर स्टार्स' साल 2014 में रिलीज हुई थी. ये एक रोमांटिक फिल्म हैं. फिल्म की कहानी की बात करें तो जॉन ग्रीन के इसी नाम के नावेल पर बनी यह फिल्म कैंसर पीड़ित दो प्रेमियों की कहानी है.

फिल्म के रीमेक लिए पहले वरुण धवन और दीपिका पादुकोण का नाम सामने आ रहा था हालांकि अब इस फिल्म में संजना सांघी और सुशांत सिंह राजपूत का नाम फाइनल बताया जा रहा है. संजना की बात करें उनकी उम्र 21 साल है. बता दें कि ये संजना की पहली फिल्म नहीं हैं. इससे पहले साल 2011 में आई रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'रॉकस्टार' में उन्होंने नरगिस फाखरी की बहन का किरदार निभाया था. संजना के बारे में बात करते हुए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने बताया, "संजना से मेरी पहली मुलाकात 'रॉकस्टार' की कास्टिंग के दौरान हुई थी. मुझे वह काफी यंग और एनर्जेटिक लड़की लगीं. कुछ सालों बाद हम ऐड कास्टिंग के लिए फिर मिले." इसके आगे मुकेश ने कहा, "इस दरमियान वह एक परिपक्व और शानदार एक्ट्रेस के तौर पर उभरीं.

मुझे तुरंत यकीन हो गया कि एक दिन मैं इनके साथ जरूर फिल्म बनाऊंगा. जैसे ही 'द फॉल्ट इन अवार स्टार' की स्क्रिप्ट तैयार हुई, वह इस रोल में फिट बैठीं. उसका चेहरा इसके लिए परफेक्ट है. मैं इस प्रतिभाशाली लड़की के साथ फिल्म बनने के लिए बेकरार हूं."

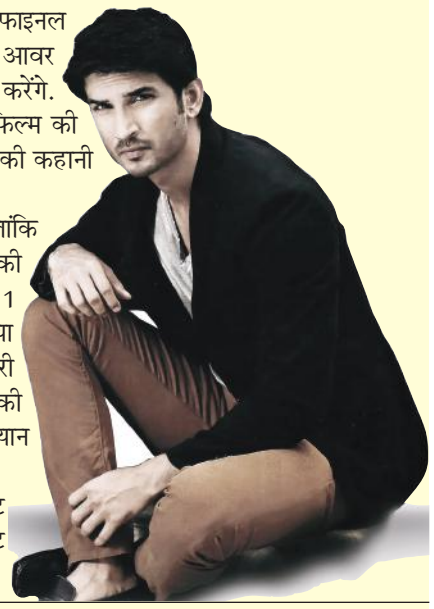

## इंस्टाग्राम पर हुई थी क्रिकेटर शमी की पाकिस्तानी महिला से दोस्ती

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेटर शमी पत्नी से रिश्ते को लेकर विवादों में हैं. उनकी पत्नी हसीन जहां ने शमी के पाकिस्तानी महिला के साथ मैच फिक्सिंग से जुड़े लेनदेन का आरोप लगाया था. अब पाकिस्तान में रहने वाली अलिश्बा नाम की महिला ने एक टीवी चैनल को इंटरव्यू देकर कई राज का खुलासा किया है. अलिश्बा ने इंटरव्यू में कहा कि वह शमी को इंस्टाग्राम पर फॉलो करती थीं. शुरूआत में वह लाखों फैन्स की तरह की शमी को जानती थी. उन्हें मैसेज करती रहती थीं, लेकिन शमी की तरफ से जवाब नहीं आता था. लेकिन ईद के मौके पर शमी को जब उन्होंने मैसेज किया तो शमी ने जवाब दिया. अलिश्बा ने शमी से दुबई के होटल में मिलने की बात स्वीकार की है, लेकिन मैच फिक्सिंग से किसी भी तरह जुड़े होने को खारिज कर दिया है. अलिश्बा ने कहा कि मैच के दौरान शमी का पाकिस्तान समर्थक के साथ विवाद हुआ था, इसके बाद भी उन्होंने शमी को मैसेज किया था. जून में शमी की ओर से जवाब आने के बाद दोनों की दोस्ती शुरू हो गई. अलिश्बा ने कहा कि फैन के तौर पर शमी उन्हें काफी पसंद आते हैं. एक फैन की ही तरह वह उनके लिए काफी इज्जत रखती हैं. अलिश्बा ने इंटरव्यू में आगे बताया कि बाद में उन्हें मालूम चला कि शमी दुबई होकर जा रहे हैं. इसी दौरान अलिश्बा को भी बहन से मिलने जाना था. फिर दोनों की दुबई के होटल में मुलाकात हुई. अलिश्बा ने इंटरव्यू में कहा कि दोनों की मुलाकात एक फैन और सेलिब्रेटी की तरह ही हुई. दोनों ने साथ ब्रेकफास्ट किया और मुलाकात करीब एक घंटे चली. अलिश्बा ने मैच फिक्सिंग के आरोप को बेबुनियाद बताया. उन्होंने कहा- 'अगर जांच करना है तो कर सकते हैं. इससे कोई लेना देना नहीं है. शर्मनाक बात है कि फिक्सिंग से कैसे जोड़ा. दोस्ती को खुदा के लिए फिक्सिंग से मत जोड़िए.'

# मैच में 2-3 अंकों का अंतर बहुत मायने रखता है: सिंधु

**नई दिल्ली।** ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में रियो ओलिंपिक रजत पदक विजेता पी. वी. सिंधु की हार के साथ ही चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। वर्ल्ड नम्बर 3 सिंधु का कहना है कि बैडमिंटन के खेल में 2-3 अंकों का अंतर भले ही कम लगे, लेकिन एक खिलाड़ी के लिए ये बहुत मायने रखते हैं। वर्ल्ड नम्बर- 2 अकाने यामागुची ने सिंधु को शनिवार देर रात खेले गए एक घंटे और 20 मिनट के मुकाबले में 19-21, 21-19, 21-18 से मात देकर फाइनल में कदम रखा। यामागुची के खिलाफ मैच के बाद बयान में सिंधु ने कहा, 'तीन गेमों को खेलते हुए परेशानी नहीं होती, लेकिन ये आसान भी नहीं होते। दो खिलाड़ियों के बीच 18 के स्कोर के बाद वो 2-3 अंकों का अंतर बेहद मायने रखता है।' सिंधु ने कहा, 'इस सेमीफाइनल मैच के दौरान मेरे और यामागुची के बीच कई लंबी रैलियां चली, लेकिन वो 2-3अंक ही मैच का विजेता तय करते हैं और यही अंक मुझ पर भारी पड़े।' भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि आज (शनिवार) मेरा दिन नहीं था। मैंने अपना शानदार प्रदर्शन किया। मैच के दौरान उतार-चढ़ाव होते हैं, जिसमें एक हारता है और एक जीतता है। इस मैच से सीख भी मिली और मैं अच्छी वापसी करूंगी। आप हारे या जीते, लेकिन अगली चुनौती के लिए आपको वापसी करनी होती है।'

## आईसीसी टी-20 रैंकिंग: भारतीय खिलाड़ी चमके, युजवेंद्र चहल नंबर दो पर पहुंचे

**नई दिल्ली।** निदाहास ट्रोफी टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करनेवाले भारतीय खिलाड़ियों को आईसीसी टी20 रैंकिंग में जबरदस्त फायदा पहुंचा है। सबसे ज्याद उछाल युजवेंद्र चहल और वॉशिंगटन सुंदर की रैंकिंग में हुआ था। टी20 इंटरनैशनल रैंकिंग में चहल 12 पायदान के फायदे से दूसरे नंबर और वॉशिंगटन सुंदर 151 पायदान की उछाल से 31 वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दोनों ने निदाहास ट्रोफी में अच्छा प्रदर्शन किया। लेग स्पिनर चहल के अबतक के करियर में सर्वश्रेष्ठ (706) रेटिंग अंक हैं, जबकि ऑफ स्पिनर सुंदर के 496 अंक हैं। सुंदर को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया था। दोनों स्पिनर भारत के सीरीज में पांचों मैचों में खेले थे, दोनों ने आठ-आठ विकेट झटके थे। सुंदर ने ज्यादातर गेंदबाजी पॉवरप्ले में की, उनका इकॉनमी रेट 5.70 रहा, वहीं चहल का इकॉनमी रेट 6.45 रहा। निदाहास ट्रोफी में अच्छा प्रदर्शन कर बॉलिंग रैंकिंग में ऊपर चढ़नेवाले कुछ अन्य खिलाड़ियों में श्रीलंका के अकिला धनंजय, बांग्लादेश के रुबेल हुसैन, भारत के जयदेव उनादकट और शार्दुल ठाकुर शामिल रहे। टूर्नमेंट के आखिर में इन सभी ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक हासिल किए। उनादकट (संयुक्त 52 वें) और ठाकुर (संयुक्त 76 वें) ने क्रमशः 26 और 85 स्थान की छलांग लगाई जिससे उनके रेटिंग अंक 435 और 358 हो गए हैं। बल्लेबाजों में शिखर धवन, कुसाल परेरा, मनीष पांडे, मुश्फिकर रहीम, कुसाल मेंडिस और बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम ओवर में भारत की जीत के स्टार रहे दिनेश कार्तिक रैंकिंग में बढ़ोतरी करने में सफल रहे। कार्तिक ने टूर्नमेंट में मिडल ऑर्डर में शानदार बल्लेबाजी की, जिससे वह 126 स्थान के फायदे से 95 वें स्थान पर पहुंच गए। उनके अबतक के सर्वश्रेष्ठ 246 अंक हैं। श्रीलंका के लिए बल्ले से मजबूत प्रदर्शन करनेवाले कुसाल परेरा 20 पायदान की छलांग से 20वें जबकि कुसाल मेंडिस 27 पायदान के लाभ से 48 वें स्थान पर पहुंच गए। परेरा ने तीन अर्धशतकों सहित 204 रन, जबकि मेंडिस ने दो अर्धशतकों की मदद से 134 रन जुटाए।


मै. लीगल इन्फोशोल्यूशन्स प्रा0लि0, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक **"सत्येन्द्र सिंह"** द्वारा मै. बी.एफ.एल. इन्फोटैक लि. प्रेस, सी–9, सैक्टर–3, नोएडा से छपवाकर बी.ई.–243, (ग्राउण्ड फ्लोर) अवन्तिका, गाजियाबाद से प्रकाशित किया।

**फोन :** 0120–4122901 / 4108794 **मोबाइल नं. :** 9818036460 / 9818697406 **E-mail :** udyogviharnp@yahoo.com **संस्थापक :** शीतला प्रसाद सिंह **प्रधान सम्पादक :** सत्येन्द्र सिंह **सम्पादक :** बबिता सिंह **सह सम्पादक :** राजेश सिंह